तुलनात्मक परीक्षण

पाउडर लगायें: मगर कितना!

निष्कर्ष

टेल्कम पाउडर के इन ब्रांड का परीक्षण करने का हमारा उद्देश्य अपने उपभोक्ताओं का मार्गदर्शन करना था ताकि वे सही उत्पाद का चुनाव कर सकें। हमने देखा कि कैसे विभिन्न मानकों पर एक ब्रांड सबसे आगे रहा तो कोई सबसे पीछे। इससे उपभोक्ता जब भी टेल्कम पाउडर खरीदने जाएंगे अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए और सही जानकारी के साथ चुनाव करेंगे। लेकिन इन सबसे ऊपर है कि किसी भी चीज का इस्तेमाल तभी तक सही है जब तक कि वह संतुलित मात्रा में हो। आपने 'अति हर काम की बुरी होती है' तो सुना ही होगा इसलिए यदि यहां भी आपने पाउडर का इस्तेमाल ज़्यादा किया तो उसका भुगतान आपको ही करना होगा।

अच्छा दिखना किसे पसंद नहीं होता और हम इसके लिए तरह–तरह के जतन भी करते हैं। चाहे वह डिजाइनर कपड़े हों या कॉस्मेटिक। तरह–तरह की क्रीम की तरह ही बाज़ार में कई ब्रांड के पाउडर भी उपलब्ध हैं जिन्हें लोग खासतौर से गर्मियों में लगाना पसंद करते हैं। पसीना दूर करना हो, रंगत निखारनी हो या खुद को तरो–ताज़ा महसूस करना हो, तो लोग पाउडर का इस्तेमाल ज़रूर करते हैं। शरीर पर लगाए जाने वाले पाउडर को हम टेल्कम पाउडर के नाम से जानते हैं। कोई भी पाउडर खरीदने से पहले यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि उसमें किसी भी तरह के ऐसे रसायन का प्रयोग तो नहीं किया गया है जो हमारे लिए हानिकारक है।

जब आप हमारी परीक्षण रिपोर्ट पढ़ेंगे तो आप उत्पाद के उन पहलुओं के बारे में जान पाएंगे जिन्हें इस्तेमाल करने से पहले आपने कभी सोचा नहीं होगा कि उसमें कौन–कौन से तत्व हैं जो आपके लिए कितने नुकसान दायक हो सकते हैं। 'कंस्यूमर वायस' ने उपभोक्ताओं के लिए विभिन्न पाउडर के ब्रांड की जानकारी दी है जिससे आप अपने लिए सही उत्पाद का चयन कर पाएंगे। साथ ही यह देखना भी ज़रूरी है कि जिस उत्पाद का हम प्रयोग कर रहे हैं वे हमारे शरीर के अलावा कहीं पर्यावरण पर तो प्रभाव नहीं डाल रहा। इन सबके बावजूद चिलचिलाती गर्मियों में पसीने को दूर करने के लिए भला टेल्कम पाउडर से बेहतर और क्या हो सकता है इसलिए इस परीक्षण के ज़रिए हम आपको एक बेहतर विकल्प चुनने में सहायता कर रहे हैं। इससे आप बिना कोई नुकसान उठाए एक अच्छा उत्पाद चुन सकते हैं।

हमने सबसे ज़्यादा बिकने वाले, कुछ उत्पादों का परीक्षण किया है और हो सकता है आप इससे कोई अलग ब्रांड इस्तेमाल करते हों। लेकिन हमारी इस रिपोर्ट का मकसद है कि आप देश में उपलब्ध कोई भी ब्रांड चुनें वह आपके लिए सबसे उपयुक्त और फायदेमंद हो।

किससे बना है आपका टेल्कम पाउडर

टेल्क एक खनिज है। यह टेल्क पत्थर के खनन से निकलता है, जिसे

तुलनात्मक परीक्षण

तोड़कर, सुखाकर और पीसकर तैयार किया जाता है। टेल्क के अंदर अन्य छोटे खनिज भी पाए गए हैं लेकिन एस्बेस्टोस की तरह लगने वाले कुछ रेशों को अलग नहीं किया जा सकता।

किन उत्पादों में होता है टेल्क

घर से लेकर बगीचों में कीटनाशक दवाओं और अम्लतत्व नाशकों में टेल्क की मात्रा पाई जाती है। दुनिया भर में बड़ी मात्रा में उपयोग किए जाने वाले पाउडर में टेल्क डाला जाता है। बेबी पाउडर, मेडिकेटड पाउडर, सुगंधित पाउडर में टेल्क एक मुख्य तत्व के रूप में इस्तेमाल होता है। टेल्क में नमी को सोखने की क्षमता होती है और यही वजह है कि दवा बनाने वाली कंपनियां टेल्क का प्रयोग दवाईयां बनाने में करते हैं। इसका उपयोग डियोडोरेंट, चॉक, क्रेयोंस, टैक्सटाइल, साबुन, प्रतिरोधक तत्वों, रंग–रोगन, डामर, पेपर और फूड प्रोसेसिंग में होता है।

परीक्षित ब्रांड

'कंस्यूमर वॉयस' ने 10 सबसे प्रचलित और सबसे अधिक बिकने वाले टेल्कम पाउडर का परीक्षण किया है। दिल्ली और एनसीआर के बाजारों और मॉल्स में कराए गए सर्वे के आधार पर टेल्कम पाउडर के इन ब्रांडों का चुनाव किया गया है। हमने इन विभिन्न ब्रांड के अलग–अलग उत्पादों को उनकी लोकप्रियता के कारण चुना है।

ब्रांड	रैंक
एक्स डेनिम	3
सिंथॉल डिओ क्लासिक	3
हिमानी नवरत्न	6
'नीविया मस्क'	2
पार्क एवेन्यू डबल डिओ	4
पॉड्स ड्रीम फ्लावर	2
प्रीमियम लेवेंडर	5
'सीक्रेट टेंपटेशन'	7
यार्डले इंग्लिश लेवेंडर	3
ज़ेड	1

मुख्य निष्कर्ष

सभी ब्रांड भारतीय मानकों के मुख्य तत्वों जैसे उबलते पानी में अघुलनशीलता, बारीक, आर्सेनिक एवं माइक्रो–बायोलॉजिकल परीक्षण पर खरे उतरे हैं।

सभी ब्रांड के बीच सिंथॉल में सबसे कम आर्सेनिक की मात्रा पाई गई उसके बाद 'नीविया मस्क' और 'सीक्रेट टेंपटेशन' दूसरे पायदान पर रहे। जबकि पॉड्स में सबसे अधिक आर्सेनिक की मात्रा मिली और उसके बाद पार्क एवेन्यू और हिमानी नवरत्न में आर्सेनिक कि कम मात्रा पाई गई।

एक्स, पार्क एवेन्यू और 'सीक्रेट टेंपटेशन' ब्रांड की पैकिंग काफी बड़े आकार के डिब्बे में की गयी है जबकि लेबल पर जितनी मात्रा लिखी गई है उससे लगभग 35 प्रतिशत पाउडर कम पाया गया।

सवेदनशीलता के साथ–साथ उपयोग करने के परीक्षण में पार्क एवेन्यू, एक्स और ज़ेड के साथ सबसे अधिक उपयुक्त ब्रांड पाए गए जबकि हिमानी नवरत्न में इसकी मात्रा सबसे कम पाई गई।

पैकिंग

टेल्कम पाउडर की पैकिंग उसके रखरखाव और इस्तेमाल में मुख्य भूमिका निभाता है। इनकी पैकिंग इस तरह की होनी चाहिए जो इन्हें नमी और पर्यावरण के बदलावों से सुरक्षित रख सके। यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि पैकिंग के लिए जिस डिब्बे का उपयोग किया गया है कही वह पाउडर पर विपरीत प्रभाव तो नहीं डाल रहा। पैकिंग के लिए इस्तेमाल हुए डब्बे रखने और उपयोग में करने में आसान हो। परीक्षण में केवल यार्डले और ज़ेड ही ऐसे दो ब्रांड पाए गए जिनकी पैकेजिंग उपभोक्ताओं के सहूलियत के अनुसार थी और पाउडर की मात्रा डिब्बे पर लिखी मात्रा के लगभग बराबर पाई गई।

यार्डले और ज़ेड के अलावा सभी ब्रांड की पैकिंग प्लास्टिक की है। हिमानी नवरत्न, ''सीक्रेट टेंपटेशन', यार्डले और ज़ेड को आसानी से इस्तेमाल किए

जाने वाले डिब्बे में पैक किया गया है। कुछ ब्रांड की पैकिंग ज़्यादा बड़े डिब्बे में की गई है जो लगभग 35 प्रतिशत तक खाली पाए गए और उनके द्वारा दावा की गई मात्रा से यह कम भी था। उपभोक्ता होने के नाते आपको जानने का अधिकार है कि उत्पाद बनाने वाली कंपनियां ज़रूरत से ज़्यादा बड़े डिब्बों में पैकिंग क्यों करते हैं? या टिन की जगह प्लास्टिक का इस्तेमाल क्यों करते हैं? यह सच है कि बड़े डिब्बे या टिन पर ज्यादा खर्च होता है लेकिन इसके बाद भी यदि उपभोक्ता टिन या सही आकार के डिब्बे की जगह बड़े आकार के डिब्बे पसंद करते हैं तो निर्माता कंपनियों को ही फायदा होता है जैसा कि कई कंपनियां कर भी रही हैं। क्योंकि उन्हें लगता है कि उपभोक्ता को बड़ी पैकेजिंग लुभाती है।

एक्स, हिमानी नवरत्न, पार्क एवेन्यू और 'सीक्रेट टेंपटेशन' बड़े पैक का इस्तेमाल करते हैं। भारतीय मानकों के अनुसार टेल्कम पाउडर टिन या प्लास्टिक के डिब्बे में पैक किया जा सकता है लेकिन इस बात का ध्यान रखना ज़रूरी है कि इससे उसकी गुणवत्ता पर किसी प्रकार का प्रभाव न पड़ रहा हो। उत्पाद के कुल वज़न का उसके पैकेजिंग से कोई लेना–देना नहीं है। पैकिंग केवल उत्पाद बनाने वाली कंपनी की प्राथमिकता पर निर्भर करता है। इसलिए किसी भी उत्पाद को खरीदने से पहले उपभोक्ताओं के दिमाग में ये सवाल ज़रूर उठनें चाहिए।

प्लास्टिक या टिन? इसमें कैसी पैकेजिंग उपभोक्ता के खर्च को बढ़ाता है या पाउडर की पैकिंग के लिए कौन सा विकल्प ज़्यादा अच्छा है?

क्या पैकिंग के लिए इस्तेमाल किया गया डिब्बा और उसके आकार का खर्च उपभोक्ताओं से वसूला जाता है? क्या टिन या बड़े आकार के दिखने वाले डिब्बे बनाने में ज़्यादा खर्च होता है?

पुनःचक्रण में आसान

हमने पुनःचक्रण से संबंधित कोई परीक्षण नहीं किया है इसलिए ये कहना मुश्किल है कि इनमें से किस ब्रांड के पैकेजिंग का प्लास्टिक या टिन पर्यावरण के अनुकूल है। लेकिन कुछ ब्रांड जैसे 'नीविया मस्क', पॉड्स और यार्डले टेल्कम पाउडर के डिब्बे पर रिसाइकलिंग के निशान बने होते हैं। इसलिए उपभोक्ता कोई भी उत्पाद खरीदने से पहले इस बात की जांच कर सकते हैं कि वह जिसमें पैक किया गया है उसका पुनःचक्रण किया जा सकता है या नहीं, और उसे कैसे और कहां करवाया जा सकता है।

उपभोक्ता करें इनका पालनः

खुद से यह सवाल करें कि एक साल या एक मौसम मे आप या आपका परिवार कितने टिन या किसी और धातु से बने डिब्बों का इस्तेमाल करते हैं? आप पैकिंग में किसे चुनें? क्या आप खरीदारी करने से पहले उसकी पैकेजिंग, सुगंध और आकार को अपनी अन्य प्राथमिकताओं से ऊपर रखकर देखते हैं?

मार्किंग है ज़रूरी

उपभोक्ताओं को यह जानने की उत्सुकता हो सकती है कि कैसे मार्किंग किसी उत्पाद को खरीदने के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू हो सकता है। आपने कोई ऐसा उत्पाद खरीदा हो जिससे आप संतुष्ट नहीं हैं तो ऐसी स्थिति में मार्किंग काफी मददगार हो सकती है। हर पैकिंग के ऊपर निम्नलिखित जानकारी होना जरूरी है:

1 बैच नंबर
2 निर्माता/विक्रेता का ट्रेडमार्क सहित पता यदि है, तो
3 निर्माण का महीना और साल
4 पैकिंग के समय कुल वजन
5 निर्माण में प्रयोग की गई खतरनाक सामग्री
6 अधिकतम खुदरा मूल्य, एमआरपी
7 उपयोग की विधि, यदि कोई है
8 डिब्बे के पुनःचक्रण का तरीका यदि कोई है
9 इस्तेमाल करने की अंतिम तिथि

किसी भी ब्रांड में इस्तेमाल करने की

उम्र और लिंग का उल्लेख नहीं किया गया है।

हमारा अवलोकन और अंक

सभी परीक्षित ब्रांड में पॉड्स को छोड़कर किसी भी ब्रांड ने इस्तेमाल करने की विधि या पुनःचक्रण का उल्लेख नहीं किया गया है, जबकि सारी जानकारियां लेबल के ऊपर अंकित हैं। 'नीविया मस्क' और यार्डले ने उपयोग करने के तरीके को छोड़कर बाकी सभी जानकारियां अन्य ब्रांड से अधिक दी है।

मिलावट नहीं पाई गई

हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले खनिज एस्बेस्टाइन की उपस्थिति को जांचने के लिए ही यह परीक्षण किया गया है। लेकिन आपको चिंतित होने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि परीक्षण के बाद किसी भी ब्रांड में इसकी मात्रा नहीं पाई गई है। फिर भी यह जानने की आवश्यकता है कि कई कंपनियां हानिकारक होते हुए भी इसका इस्तेमाल क्यों करती हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह हो सकता है कि विभिन्न कंपनियां जब कोई उत्पाद तैयार करती है तो उसमें उपयोग करने वाली सामग्री का चुनाव अपने फायदे को ध्यान में रखकर करती है जिससे कम लागत में बड़ी मात्रा में उनका उत्पाद तैयार हो जाता है।

दरअसल एस्बेस्टाइन शुद्ध रेशेदार मैग्निशियम सिलिकेट से बना खनिज है। जिसका भौतिक गुण मैग्नीशियम और टेल्क के बीच का है। इसे टेल्कम पाउडर में मिलाया जाता है लेकिन इन ब्रांड्स में यह अनुपस्थित था। यदि किसी पाउडर में इसे मिलाया जाए तो इससे फेफड़े संबंधी बीमारियां जैसे टेलोसिस होने का खतरा बढ़ जाता है। वैसे परीक्षित सभी ब्रांड्स में एस्बेस्टाइन नदारद थे। इनमें धूल, गंदगी आदि बाहरी तत्व भी नहीं पाए गए हैं।

कृत्रिम रंगों का प्रयोग

रंगों की घुलनशीलता से पता चलता है कि किसी उत्पाद में इसका प्रयोग किया गया है या नहीं। यदि इसका प्रयोग आवश्यक परीक्षणों के बिना किया जाए तो वह असुरक्षित होता है। वैसे परीक्षित सभी ब्रांड्स इस जांच में खरे उतरे हैं।

अघुलनशील तत्व

भारतीय मानकों के अनुसार उबलते पानी में तत्वों की अघुलनशीलता कुल वजन का कम से कम 90 प्रतिशत होना चाहिए। टेल्कम पाउडर के सभी ब्रांड्स इस परीक्षण में सफल रहे। प्रीमियम ब्रांड के तत्वों की अघुलनशीलता सबसे अधिक थी इसके बाद पार्क एवेन्यू और ज़ेड का नंबर आता है। टेल्कम पाउडर की गुणवत्ता को जांचने का यह बहुत ही जरूरी मापदंड है। सभी ब्रांड इस मापदंड पर खरे उतरे हैं। यदि टेल्कम पाउडर उबलते पानी में अघुलनशील नहीं होंगे तो पसीने के साथ वे हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

कितना बारीक

भारतीय मानक के अनुसार पाउडर तैयार करने के दौरान जब उसे 75 माइक्रोन की छलनी से छाना जाए तो वह अपने कुल द्रव्यमान का 2 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिए। और जब उसे 150 माइक्रोन की छलनी से छाना जाए तो वह 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। सभी ब्रांड बारीक कणों के इस परीक्षण में पास हो गए। ज़ेड पाउडर सबसे बारीक और प्रीमियम एवं 'नीविया मस्क' उसके बाद सबसे बारीक पाउडर पाए गए। यह परीक्षण इसलिए भी जरूरी है क्योंकि टेल्कम पाउडर का उपयोग हम कई बार शरीर के संवेदनशील हिस्सों में भी करते हैं ताकि इसके इस्तेमाल से हम अच्छा महसूस करें। आखिरकार सारे कॉस्मेटिक्स अच्छा महसूस कराने के लिए ही होते हैं।

आर्सेनिक

यह चॉक पाउडर में पाया जाने वाला तत्व है जो टेल्कम पाउडर में मुख्य सामग्री के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय मानक में आर्सेनिक के इस्तेमाल करने की एक तय सीमा रखी गई यदि इससे अधिक मात्रा में इसका उपयोग किया जाता है तो हमारी सेहत को बिगाड़ सकता है। तय मानकों के अनुसार किसी भी टेल्कम पाउडर में आर्सेनिक की मात्रा 2 पीपीएम से अधिक नहीं होनी चाहिए। परीक्षित सभी ब्रांड्स में आर्सेनिक की मात्रा तय मानकों के अनुसार ही पाया गया।। सिंथॉल (0.976पीपीएम) में सबसे कम मात्रा में आर्सेनिक पाया गया। जिस कारण 7.56 अंक मिले हैं इसके बाद 'नीविया मस्क' (1.153 पीपीएम) को 7.11 और 'सीक्रेट टेंपटेशन' (1.194 पीपीएम) को अंक मिले हैं। वहीं दूसरी ओर पॉड्स में सबसे अधिक (1.538 पीपीएम) आर्सेनिक पाया गया इसके बाद पार्क एवेन्यू (1.404 पीपीएम) 6.49 अंक और हिमानी नवरत्न (1.397 पीपीएम) 6.50 अंकों के साथ दूसरे और तीसरें नंबर पर आते हैं।

माइक्रोबाइलॉजिकल परीक्षण

टेल्कम पाउडर के सभी ब्रांड में किसी भी प्रकार के सूक्ष्मजीव नहीं पाए गए हैं। लेकिन इनमें सूक्ष्मजीव और फफूद के बढ़ने का खतरा हो सकता है। इसलिए इसके अत्यधिक प्रयोग से त्वचा पर खुजली या फिर एलर्जी हो सकती है। अपने पाउडर के डब्बे को खोलने के बाद इस बात का ध्यान रखें कि उनमें नमी न आने पाए इसलिए

उसके डब्बे को नमी रहित जगह पर रखें इससे सूक्ष्मजीवों के पनपने की गुंजाइश नहीं रहेगी। डिब्बे को इस्तेमाल के बाद डिब्बे को कस कर बंद कर लें।

संवेदनशील परीक्षण

यह सबसे ज़रूरी परीक्षण है इसलिए हमने यह जांच कई जटिल अवलोकनों के आधार पर तथा उपभोक्ताओं के पैनल की राय के आधार पर किया है। कीमत उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं की सूची में सबसे ऊपर रहा। हमने रंग, सुंदरता, सुगंध और डिब्बे की बनावट, पाउडर लगाने के 1 घंटे बाद और 5 घंटे बाद का अहसास, आसान पैकेजिंग और उसकी लोकप्रियता के आधार पर परीक्षण किया। ये परीक्षण लैब में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की निगरानी में पैनल के सदस्यों के साथ किया गए। हमने पैनल के सदस्यों के बीच टेल्कम पाउडर के सैंपल बांटे लेकिन उन्हें किसी भी उत्पाद के बारे में जानकारी नहीं दी गई। किसी भी ब्रांड की सबसे अधिक स्वीकार्यता उसके परीक्षण से समझी जा सकती थी। सभी ब्रांड की खुशबू अलग–अलग पाई गई। इस परीक्षण में पार्क एवेन्यू 31.73 अंकों के साथ सबसे ऊपर रहा इसके बाद एक्स 31.72 अंकों के दूसरे और ज़ेड 31.70 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

संवेदनशीलता परीक्षण में सबसे आगे रहा पार्क एवेन्यू जो सबसे अधिक स्वीकार्य ब्रांड बना। हिमानी नवरत्न को सबसे कम 26.8 अंक मिले जो ब्रांड की स्वीकार्यता की सूची में सबसे निचले पायदान पर रहा।

जेब पर न पड़े भारी

इस श्रेणी में यार्डले सबसे ऊपर रहा और प्रीमियम सबसे नीचे। टेल्क पाउडर की गुणवत्ता और खशबू का असर लागत की कीमत पर भी पड़ता है।

आधारभूत तत्व

परीक्षित ब्रांड् में आधारभूत तत्व एक जैसे पाए गए लेकिन टेल्क पाउडर की गुणवत्ता सारे ब्रांड्स में अलग–अलग थी और साथ ही साथ विभिन्न खुशबूओं के कारण भी सभी ब्रांड में अंतर पाया गया।

किस पाउडर में पसीने को सोखने की क्षमता सबसे अधिक है इससे संबंधित कोई भी परीक्षण हमने नहीं किया। वैसे भी भारतीय मानक में इस तरह का कोई प्रावधान नहीं है। हमने संवेदनशीलता परीक्षण के दौरान केवल इसकी जांच की थी कि कौन सा पाउडर कितनी देर तक पसीना सोखता है और इस मामले में सभी ब्रांड् संतोषजनक पाए गए।

कितने हैं खतरनाक

1. टेल्क विषैला होता है। इसके कण मानव शरीर मे ट्यूमर के कारक माने जाते हैं। कई ऐसे शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि टेल्क के ज़्यादा इस्तेमाल से महिलाओं के जननांगों और गर्भाशय के कैंसर के होने का खतरा रहता है। टेल्क के कण प्रजनन अंगों में विचरण कर सकते हैं और गर्भाशय की दीवारों पर इकट्ठा हो सकते हैं। शोध में यह बात सामने आई है कि जो महिलाएं अपने जननांगों पर टेल्कम पाउडर लगाती हैं उनमें गर्भाशय के कैंसर के लक्षण बढ़ जाते हैं जबकि इसका इस्तेमाल न करने वालों में यह समस्या कम पाई जाती है।
2. फेफड़ों के लिए टेल्क हानिकारक है। जो लोग टेल्क के खनन का काम करते हैं उनमें फेफड़ों का कैंसर और सांस संबंधी अन्य दूसरी परेशानियां अधिक पाई जाती है क्योंकि कारखानों में इस्तेमाल होने वाले टेल्क में खतरनाक सिलिका और एस्बेस्टस मौजूद होते हैं। 1980 के रिकॉर्ड ये दर्शाते हैं कि हर साल कई नवजात बच्चों की मौत पाउडर के कारण हो जाती हैं क्योंकि बच्चों की छाती पर छिड़ककर पाउडर लगाने से वह सांस के जरिए उनके शरीर में प्रवेश कर जाता है। इसलिए पाउडर लगाते समय इस बात का ध्यान रखें कि वह उड़कर बच्चों के मुंह में न जाए।

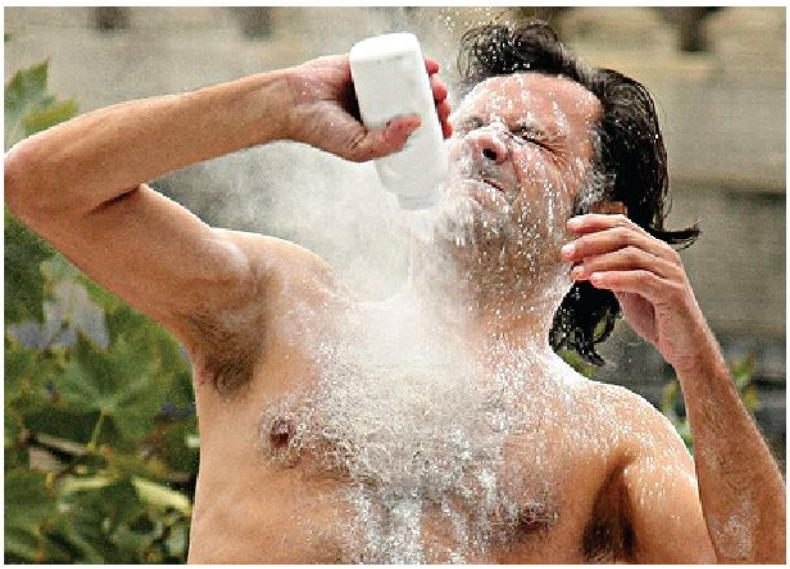

टेल्कम पाउडर का तुलनात्मक चार्ट

ब्रांड / पैरामीटर	वजन	ज़ेड	नीविया मस्क	पॉन्डस ड्रीम फ्लावर	एक्स डेनिम	सिंथॉल डिओ क्लासिक	यार्डले इंग्लिश लेवेण्डर	पार्क एवेन्यू डबल डिओ	प्रीमियम लेवेण्डर	हिमानी नवरत्न	सीक्रेट टेंपटेशन
एमआरपी/नेट वजन, रूपये		70/200	99/400	105/400	99/300	99/550	100/200	90/300	110/800	98/400	75/300
यूनिट प्राइस (100ग्राम)		35	24.75	26.25	33	18	50	30	13.75	24.5	25
फिज़िको–कैमिकल टैस्ट											
मैटर इंसोल्यूबल इन बोयलिंग वॉटर	10	8.12	8.08	8.07	8.02	8.06	8.03	8.14	8.16	7.97	7.97
फाइननैस (बारीकी)	12	11.4	11.25	10.97	11.11	11.07	10.93	11.14	11.32	11.01	10.85
एस्बेस्टाइन	2	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0
सोल्यूबिलिटी ऑफ कलर	2	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0
फॉरेन पार्टीकल/मेटर	2	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0
नेट वजन	2	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0
हेवी मेटल (आर्सनिक)	10	6.59	7.11	6.15	6.73	7.56	6.6	6.49	6.96	6.5	7.01
माइक्रोबॉयोलोजिकल टेस्ट (टोटल प्लेट काउंट)	7	7.0	7.0	7.0	7.0	7.0	7.0	7.0	7.0	7.0	7.0
सैंसरी एण्ड एप्लीकेशन टेस्ट	40	31.7	30.16	31.32	31.72	29.98	28.64	31.73	29.63	26.8	26.48
जनरल पैरामीटर											
पैकेजिंग	7	6.5	5.7	4.5	4.0	4.5	6.5	3.0	3.5	5.0	4.0
मार्किंग	6	4.5	5.0	6.0	4.5	4.5	5.0	4.5	4.5	4.5	4.5
ओवरऑल स्कोर	100	84.0	82.0	82.0	81.0	81.0	81.0	80.0	79.0	77.0	76.0

रेटिंग >90 –सर्वश्रेष्ठ *****, 71-90- बहुत अच्छा ****, 51-70- अच्छा ***, 31-50- साधारण **, 30 तक– खराब *

संवेदी और उपयोग परीक्षण: रंग और दिखावट, खुशबू, प्रकृति, लगाने के एक घंटे से लेकर पांच घंटे तक का अनुभव, पैकेजिंग और उपयोग करने में आसानी. कुल मिलाकर स्वीकार्यता। परीक्षण ब्रांड में से कोई भी महिला या पुरुष के लिए नामित नहीं था परन्तु महिला दल द्वारा अधिमत किया गया।